एक परिवार यीशु की स्तुति आराधना अपने घर में करता है।

बच्चों के सीखने वाले कार्यक्रमो से किसी भी किर्य का चुनए।

प्रार्थना : ''प्यारे परमेश्वर कृपया विश्वासियो की मदद कीजिये जिससे लोग उनके घरों में इकट्ठे हो सकें वे उनको यीशू के बारे में बता सके और आपकी स्तुति आराधना कर सके।

कोई बडा बच्चा या शिक्षक फिलिप्पी में रहने वाले जेलर की कहानी को याद करके बताये या पढे यह कहानी जो प्ररितो 16:22-36 में मिलती है।

यह कहानी दर्शाती है कि किस प्रकार एक परिवार अपने घर में स्तुति आराधना करता है कहानी सुनाने के बाद, यह प्रश्न पूछें। *(हर एक प्रश्न का उत्तर प्रश्न के बाद में है)*

- मजिस्ट्रेट ने पौलुस और सीलास के साथ कैसा व्यवहार किया? *(आयत 23-24)*
- रात के समय पौलुस और सीलास जेल में क्या कर रहे थे *(आयत 25)*
- जेलर अपने आप को क्यों मारना चाहता था? *(आयतें 26-27)*
- जेलर ने अपने और अपने परिवार के उद्धार को कैसे पाया? *(आयत 31)*
- रात के किस घण्टे में जेलर और उसके परिवार का बपतिस्मा हुआ। *(आयतें 25 व 32-34)*

कहानी के कुछ भागों का जिसमें जेलर और उसके परिवार का वर्णन है, उसका नाटक करे।

- मुख्य कलीसिया की आराधना के समय कलीसिया के नेताओ के साथ मिलकर कार्यक्रम बनायें कि बच्चे छोटा नाटक प्रस्तुत कर सकें।
- अपना समय बच्चों के साथ बितायें और नाटक तैयार करें। आपको सभी भागों का प्रयोग करने की आवश्यकता नहीं।
- बड़े बच्चे छोटे बच्चों की नाटक बनाने में मदद करें।
- बड़े बच्चे या व्यस्क इन भागों में पात्र हो सकते हैं।

पौलुस

जेलर दो चेन बनाने के लिए रस्सिया ढूंढे और तलवार दिखाने के लिए कोई चीज़ ढूंढे।

वाचक कहानी को संक्षिप्त रूप से बतायें। चट्टाने बनायें या किताबों को मेज़ के किनारे रखकर चट्टाने बनाये।

- नौजवान बच्चे सीलास, न्यायाधिश, कैदी, और जेलर का परिवार के पात्र बने।

वाचक : प्रेरितो 16:22-28 को पढ़कर कहानी का पहला भाग बतायें। तब कहें, ''सुनिये न्यायाधिश क्या कहता है''

न्यायाधिश : ''जेलर! पौलुस और सीलास को जेल में डाल दो। इनको पीटो और इनकी ध्यान से रखवाली करो।

जेलर : इनके टखानों को बेड़ियों से बांध दो। (गॉठे न लगायें) तब कहें ''मैं इनको बेड़ियों से बॉधकर अन्दर की कोठरी में डाल दूंगा और अपनी पत्नि के साथ इनकी रखवाली करूँगा।

पौलुस व सीलास : मेज़ के नीचे बैठकर एक गाना गाते हैं।

जेलर : '' भूचाल!'' (मेज़ को हिलायें ताकि बनी हुई चट्टाने व किताबें गिर पड़े)

पौलुस व सीलासः बेड़िया निकालकर खड़े हो जाते हैं।

कैदी : ''हम आज़ाद हो गये। दरवाजे खुल गये''

जेलर : तलवार उठाता है। कहता है, ''अरे नहीं कैदी तो भाग गये। मुझे अपने आप को जान से मार लेना चाहिये।

पौलुस : चिल्लाते हुये ''नहीं! महोदय! अपने आप को मत मारिये। हम सब यहीं पर हैं।''

वाचक : प्रेरितो 16:28-33 को पढ़कर कहानी का दूसरा भाग बतायें। तब कहें, ''सुनिये जेलर क्या कहता है।''

जेलर : ''एक बत्ती लाओ। मैं पौलुस और सीलास को देखना चाहता हूँ। तब पौलुस और सीलास के सामने घुटने टेककर ज़ोर से चिल्लाकर कहता है, ''मैं उद्धार पाने के लिए क्या करूँ?''

पौलुस : ''यीशु मसीह पर विश्वास कर तो तू और तेरा घराना उद्धार पायेगा।

जेलर का परिवार : ''हम सब भी प्रभु यीशू पर विश्वास करना चाहते हैं।''

जेलर : ''कृपया मुझे अपने घाव धोने दीजिये। तब हम आज ही रात को बपतिस्मा लेगें।''

वाचक : प्रेरितो 16:34-36 को पढ़कर कहानी का तीसरा भाग बतायें। तब कहें, सुनिये जेलर पौलुस और सीलास को क्या कहता है?''

जेलर : ''मैं तो खुशी से भर गया हूँ क्योंकि मेरा सारा परिवार विश्वासी हो गया और बपतिस्मा लिए है। आईये, हमारे घर हमारे साथ खाना खाईये''

मजिस्ट्रेट : मेज़ थपथपाते हुये कहते हैं, ''जेलर! नमस्कार अब आप पौलुस और सीलास को छोड़ दीजिये।

जेलर : ''भाईयो, धन्यवाद मुझे और मेरे परिवार को शुभ समाचार प्रभु यीशु के बारे में बताने का। शातिपूर्वक जाइये।''

वाचक या बड़े बच्चे : जब नाटक समाप्त हो जाता है, धन्यवाद करें सभी का जिन्होने इसमें सहायता की।

प्रश्न : अगर बच्चो ने इस कहानी को व्यस्को के लिए नाटक किया है, तो व्यस्को से वही प्रश्न पूछे जिनके जवाब आपने दिये थे। (ऊपर)

बच्चों से पूछें : कौन से तरीके है जिनके द्वारा हम पिता परमेश्वर की स्तुति आराधना अपने घरों में कर सकते हैं उदाहरण दीजिये?

चित्र बनाएँ: एक साधारण घर की चित्र रेखा कीजिए जो आपके शहर में प्ररूपी हो बच्चे उसकी नकल करे और व्यस्को को चित्र दिखायें आराधना के समय दिखायें और समझायें कि हम किस प्रकार घर मे या कहीं पर भी अराधना कर सकते हैं।

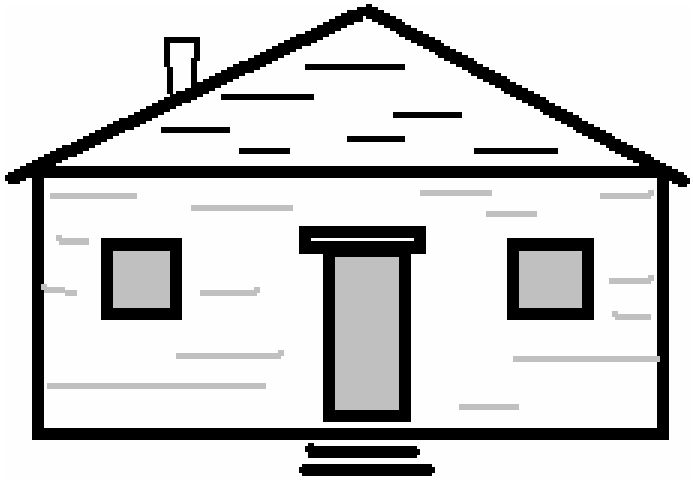

याद करें यहून्ना 4:24

कविता पाठ 1 तीन बच्चे प्रत्येक दो आयतें भजन संहिता 136:1-6 की गायें या बोले। सारे समूह से कहे कि हर आयतें के बाद बोले ''उसकी करूणा यदा की है।''

बड़े बच्चे कविताएँ और गाने लिखें घरों में सामूहिक आराधना के बारे में।

प्रार्थना, ''प्यारे परमेश्वर आपका धन्यवाद करते हैं कि हम आपकी आराधना किसी समय भी और कही पर भी कर सकते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम एक छोटा सा समूह है। आपका धन्यवाद करते हैं कि हमारे सारे परिवार को आप अपने पास ले आयें है। हमारी सहायता कीजिये ताकि हम पूरे हृदय से आपकी आराधना कर सकें।

अगर आप बच्चो को पढ़ाते हैं और अभी तक आपने पी-टी नहीं पढ़ा तो अध्ययन कीजिये मार्गदर्शी सिद्धांत बच्चों के शिक्षक के लिए ए ओ ब, कृपया अभी करें।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net